हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक
# भव्य प्रभात
खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 196 | 14 जुलाई 2025 सोमवार हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

# खास शख्सियतें अब राज्यसभा में

## राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को किया मनोनीत, उज्ज्वल निकम–मीनाक्षी जैन के नाम भी शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें उज्जवल निकम, हर्षवर्धन श्रृंगला, मीनाक्षी जैन और सदानंदन मास्टर का नाम शामिल है। राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन का नाम शामिल है। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत इन लोगों को राज्यसभा के लिए चुना है। भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा के लिए 12 व्यक्तियों को मनोनीत कर सकते हैं। ये लोग कला, साहित्य और लोक सेवा के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत रहे हैं श्रृंगला हर्षवर्धन श्रृंगला पूर्व विदेश सचिव रहे हैं। उन्होंने पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत का पद भी संभाला है। उन्होंने 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी कार्य किया है। निकम ने मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में रखा सरकार का पक्ष उज्जवल देवराव निकम कानूनी क्षेत्र में एक जाना–माना नाम हैं। कई हाई प्रोफाइल मुकदमों को संभालने के लिए उन्हें जाना जाता है, इनमें 26द्11 मुंबई आतंकवादी हमलों में अजमल कसाब का मुकदमा और 1993 के बॉम्बे विस्फोट मामले शामिल हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के आम चुनावों में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। 1994 में माकपा वालों ने काट दिए थे सदानंदन मास्टर के पैर राज्यसभा के लिए नामित किए गए सी. सदानंदन मास्टर केरल के भाजपा सदस्य हैं। वे पूर्व में शिक्षक रहे हैं। उन्हें भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। वहीं, सदानंदन को 25 जनवरी, 1994 में राजनीतिक हिंसा के शिकार बनाया गया था। तब उनके पैतृक गांव पेरिंचरी के पास माकपा कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट दिए थे।

# जम्मू-कश्मीर के नेताओं को नजरबंद किया गया

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत कई नेताओं को रविवार को नजरबंद कर दिया गया।ये लोग वर्ष1931 में तत्कालीन शासन के खिलाफ हुए एक विरोध प्रदर्शन में मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए वहां जाना चाहते थे। प्रशासन ने नौहट्टा क्षेत्र में बने कब्रिस्तान मजार–ए–शोहदा की ओर जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया और कई संवेदनशील इलाकों में पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों की भारी टुकड़ियां तैनात कर दीं।श्रीनगर जिला प्रशासन ने कल शाम राजनीतिक दलों को वहां जाने की अनुमति देने से मना करते हुए आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी

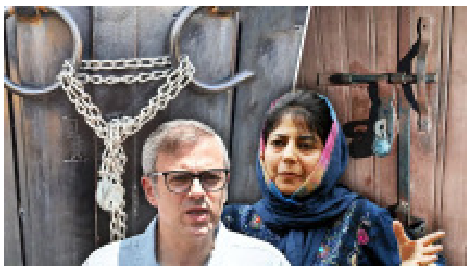

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इसे ष्पूरी तरह से अलोकतांत्रिकष् बताया। श्री अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अलोकतांत्रिक कदम उठाते हुए लोगों को घरों में बंद कर दिया गया है। जिससे कि लोग ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण कब्रिस्तान में नहीं जा सकें। यहां उनकी कब्रें हैं जिन्होंने कश्मीरियों को आवाज देने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए जान दे दी। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानते कि पुलिस आखिर किस बात से इतना डरती है।वह पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। श्री सादिक ने कहा था कि नेताओं को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा," वर्ष 1931 में जान कुर्बान करने वालों को गलत तरीके से बदनाम किया जा रहा है और 13 जुलाई का नरसंहार कश्मीर का जलियांवाला बाग है। उन लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ जान कुर्बान की। आज हमें उनकी कब्रों पर जाने का मौका भले ही न मिले, लेकिन हम उनके बलिदान को नहीं भूलेंगे।" पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी इस कर्रवाई की आलोचना की। कई पीडीपी नेताओं को भी नजरबंद कर दिया गया है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं हंदवाड़ा विधायक, सज्जाद लोन ने कहा कि उन्हें भी घर पर नजरबंद कर दिया गया है और श्रद्धांजलि अर्पित करने से रोक दिया गया है। तेरह जुलाई को पहले जम्मू–कश्मीर में सार्वजनिक अवकाश होती थी।

# मानसून से बेहाल पूरा प्रदेश

## मंदाकिनी में आई भीषण बाढ़, अभी और बरसेगा पानी, अलर्ट जारी

सतना,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के चित्रकूट में लगातार 24 घंटे की भारी बारिश से मंदाकिनी नदी में भीषण बाढ़ आ गई, जिससे हालात बेकाबू हो गए। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंचकर घरों और दुकानों में घुस गया। सड़कों पर नावें चलती नजर आईं। मैहर क्षेत्र में बीते 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त–व्यस्त कर दिया है। चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ के बाद सतना जिले के कलेक्टर और एसपी मौके पर चित्रकूट पहुंचकर बोट में बैठकर इंतजामों का और जलस्तर का निरीक्षण किया। पूरे मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। प्रदेश के दस जिलों अति भारी बारिश और 18 जिलों में भारी बारिश अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने छतरपुर, दमोह, सागर, कटनी, जबलपुर, रायसेन, सिवनी, छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। गौरतलब है कि चित्रकूट में लगातार 24 घंटों तक हुई भारी बारिश के कारण भीषण बाढ़ आ गई। स्थानीय लोगों के अनुसार इस तरह की बाढ़ अब से 22 वर्ष पहले सन 2003 में आई थी। उस समय की बाढ़ में नदी से लगभग एक किलो मीटर दूर पेड़ से बंधे हाथी की पानी में डूबकर मौत हो गई थी। शनिवार सुबह मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ को देखकर 2003 में आई बाढ़ की याद करते हुए रोंगटे खड़े हो गए। भीषण बाढ़ का आलम यह था कि सड़कों पर नावें चल रही थीं। यूपी–एमपी प्रशासन अलर्ट मोड पर है। बारिश बंद होते ही दोपहर बाद नदी का जलस्तर धीरे–धीरे कम होने प्रशासनिक अधिकारियों ने चैन की सांस ली है। इसी बीच सतना जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधिकारी आशुतोष गुप्ता द्वारा भी चित्रकूट पहुंचकर हालातों का जायजा लिया। साथ ही मातहत अधिकारियों को राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जानकारी देते हुए कहा कि बाढ़ का पानी खतरे के निशान से काफी ऊपर जाकर स्थानीय लोगों के घरों और दुकानों में भर गया है। प्रशासन द्वारा प्रमुख रूप से खाना–पानी और रुकने के इंतजामों की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही बाढ़ के कारण जिन लोगों का नुकसान हुआ है, उसके सर्वे के लिए एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं नगर परिषद के द्वारा आंकलन कर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मध्य प्रदेश के सतना जिले में पिछले 24 घंटे से जारी भारी बारिश ने जनजीवन को खासा प्रभावित किया है। जिले में औसतन 5 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि बरौंधा और मझगवां इलाकों में सबसे ज्यादा 10 इंच तक वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

# उत्तर प्रदेश में मूसलाधार बारिश से तबाही

## बुंदेलखंड और पूर्वांचल में 13 लोगों की मौत, अभी राहत के आसार नहीं

लखनऊ। मूसलाधार बारिश से आई तबाही से बुंदेलखंड और पूर्वांचल में 13 लोगों की मौत हो गई। चित्रकूट में तीन, बांदा में दो और कानपुर देहात, उन्नाव, हमीरपुर में एक–एक की मौत हुई है। चित्रकूट में सबसे ज्यादा 100 एमएम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अभी मूसलाधार बारिश जारी रहेगी। बुंदेलखंड समेत प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में शनिवार को अच्छी बारिश हुई। इससे तापमान में भी एक से दो डिग्री की गिरावट महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अभी एक हफ्ते तक बारिश का दौर जारी रहेगा। इस दौरान कहीं कम तो कहीं मध्यम व तेज बारिश होती रहेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि शनिवार को सबसे ज्यादा बारिश बुंदेलखंड क्षेत्र में दर्ज की गई। चित्रकूट में शनिवार शाम तक सबसे अधिक 216 मिमी. बारिश दर्ज की गई। वहीं कानपुर में 126 मिमी. और बांदा में 115 मिमी. बारिश दर्ज की गई। कानपुर समेत आसपास और पूर्वांचल के जिलों में शुक्रवार रात से झमाझम बारिश हुई। कई जगहों पर बारिश का पानी घरों में घुस गया। बिजली–बारिश से चित्रकूट में तीन, बांदा में दो, कानपुर देहात, उन्नाव और हमीरपुर में एक–एक की मौत हो गई। चित्रकूट में सबसे ज्यादा 100

एमएम बारिश रिकार्ड की गई। पूर्वांचल में बिजली गिरने से पांच मौतें हुईं। बांदा में बदौसा थाना क्षेत्र के उतरवां शाहपुर के मजरा कल्लू पुरवा में शनिवार सुबह करीब बिजली गिरने से कच्चा मकान ढह गया। मां और दो बेटे मलबे में दब गए। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में एक बेटे को मृत घोषित कर दिया गया, बाकी दो का इलाज चल रहा है। कमासिन थाना क्षेत्र के दादौं गांव में बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई जबकि दो झुलस गए। बांदा में 24 घंटे में 46 एमएम बारिश दर्ज की गई। चित्रकूट के भरतकूप में कच्चे मकान की छत और पहाड़ी क्षेत्र में मकान की दीवार गिरने से दो की मौत हो गई। मानिकपुर क्षेत्र में नाले में बह जाने से किसान की मौत हो गई। महोबा में शुक्रवार रात 12 बजे से शनिवार दोपहर झमाझम बारिश हुई। नाला, नहर और रपटे उफना गए। 20 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया। लोगों को 20 से 30 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ा। बारिश का पानी विद्यालयों व घरों में भर गया। इससे स्कूली बच्चों को भी परेशानी हुई। देर शाम तक 110 एमएम बारिश दर्ज की गई। हमीरपुर के कुरारा क्षेत्र के शिवनी गांव में धान की रोपाई कर रहे पांच मजदूरों पर बिजली गिर गई। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि चार झुलस गए। नदी–नाले उफना गए। कई गांव टापू बन गए। यहां 24 घंटे में 68 मिमी वर्षा दर्ज की गई। उन्नाव के बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के अलौलापुर गांव में धान की रोपाई कर रहे यवक की बिजली गिरने से मौत हो गई। टापू पर 10 घंटे फंसा रहा किसान नरैनी (बांदा)। खेत में रखा हल और सामान लेने गया किसान रंज नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने से फंस गया। 10 घंटे बाद नाव से दमकल कर्मियों ने उसे टापू से बाहर निकाला। बिजली गिरने से पांच लोगों ने गंवाई जान भदोहीध्जौनपुरध्चंदौलीध आजमगढ़रू पूर्वांचल के भदोही, चंदौली, आजमगढ़ और जौनपुर में शनिवार को बारिश के बीच बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। आठ लोग झुलस गए। भदोही जिले के समधा डीह निवासी राजकुमार यादव के खेत में शनिवार को मजदूर धान की रोपाई कर रहे थे। बारिश के बीच बिजली गिर गई। इसमें सुघरा देवी (45), रीता देवी (40), कैलाश यादव (17) और अंतिमा देवी (15) झुलस गई। सीएचसी में सुघरा देवी को मृत घोषित कर दिया गया। थियाडिल में डेहरिया में बिजली गिरने से कक्षा आठ की छात्रा सोनम और कक्षा 12 की छात्रा संध्या सरोज झुलस गई। सीएचसी में सोनम को मृत घोषित कर दिया गया। जौनपुर जिले के मछलीशहर क्षेत्र के जमालपुर गांव में शनिवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे बिजली गिरने से धर्मेंद्र यादव (28) की मौत हो गई। चंदौली जिले के कंदवा क्षेत्र के घोसवा गांव में बिजली गिरने से खेसा गांव निवासी वंदना (24), सलेमपुर पौनी निवासी टोनी (17) और निराशा (40) झुलस गई। इलाज के दौरान निराशा की मौत हो गई। आजमगढ़ में बड़गहन गांव में बिजली गिरने से कैलाशी देवी (42) की मौत हो गई।

## मायावती ने सात राज्यों के पार्टी संगठन की समीक्षा की, कहा- भाषाई आधार पर होने वाली हिंसा घातक

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को लखनऊ में आयोजित पार्टी की बैठक में सात राज्यों में संगठन के कामकाज की समीक्षा की। वहीं, जनता के मुद्दों पर भी चर्चा की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में भाषा विवाद को लेकर हो रही हिंसा घातक है। केंद्र को इस पर संज्ञान लेकर लोगों के जान माल की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा तब होता है जब धर्म, क्षेत्र, जाति और भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति व उनके देश प्रेम पर हावी होने लगती है। मायावती ने रविवार को लखनऊ में हुई पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में संगठन की तैयारियों, जनाधार बढ़ाने और जनता के मुद्दों को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बीते 2 मार्च को हुई संगठन की बैठक में पदाधि ाकारियों को दिए गए कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी ली। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पुल व एक्सप्रेस वे में बढ़ रही दुर्घटनाओं व उनके जानमाल की क्षति को रोकने की अपील सरकारों से की और कहा कि इससे जनता का विश्वास डगमगाता है। सरकारों को जनता की मुश्किलें कम करने के लिए महंगाई और बेरोजगारी कम करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना चाहिए।

## लोकबंधु अस्पताल को मेमोग्राफी मशीन 'ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग मशीन' डोनेट करेगा : पूर्वी मित्तल

लखनऊ,(यूएनएस)। गोमती नगर के होटल मरक्यूर में आयोजित एक इन्स्टॉलेशन कार्यक्रम में रोटरी वर्ष 25–26 के लिए रोटेरियन पूर्वी मित्तल ने रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रान्स गोमती के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। मुख्य अतिथि रोटरी इन्टरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष कल्याण बैनर्जी ने अपने उदबोधन में कहा की रोटरी भारत में ही नहीं पूरे विश्व में समाज सेवा के लिए जाना जाता है। भारत में पोलियो उन्मूलन में रोटरी ने अग्रणी भूमिका निभाई तथा चाहे रक्तदान हो या दिव्यांग की मदद हो रोटरी की सेवाएं सराहनीय है। पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन डॉ पंकज मित्तल ने कहा की पिछले 2 वर्षो के कार्यकाल में अधिक से अधिक सेवा कार्यों को क्लब के सदस्यों के सहयोग से हमारा क्लब भलिभांति पूरा कर पाया। आशा ही नहीं विश्वास है कि रोटेरियन पूर्वी मित्तल के कार्यकाल में रोटरी क्लब ट्रान्स गोमती नई ऊचाइयों को छूयेगा तथा नये कीर्तिमान स्थापित करेगा। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अजय कपूर ,सचिव रोटेरियन विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष रोटेरियन इला गंभीर, डायरेक्टर रोटेरियन सुधीर एस हलवासिया ने भी कार्यभार ग्रहण किया।

## बचत खाता खुलवाने में प्रदेश में पुरुषों से ज्यादा महिलाएं अव्वल, लखनऊ में रहीं पीछे

लखनऊ। बचत खाता खुलवाने में प्रदेश में पुरुषों से ज्यादा महिलाएं अव्वल हैं। लेकिन, लखनऊ में पीछे हैं। प्रदेश में प्रति लाख आबादी पर पुरुषों के खातों की संख्या 54,778, जबकि महिलाओं की संख्या 64,481 है। लखनऊ में प्रति लाख आबादी पर पुरुष खातों की संख्या 48,308 और महिलाओं की 48,049 है। बैंकों में खाता खुलवाने के मामले में प्रदेश की महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले बाजी मारी है। जबकि, राजधानी लखनऊ जैसे पढ़े लिखे जिले में महिलाएं अभी भी पुरुषों के मुकाबले पीछे हैं। प्रति लाख आबादी पर प्रदेश की बैंकों में महिला बचत खातों की संख्या पुरुषों के मुकाबले 10,638 ज्यादा रही है। वहीं, लखनऊ में यह स्थिति उलट है। यहां प्रति लाख आबादी पर महिला बचत खातों की संख्या पुरुषों के मुकाबले 259 कम है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में मार्च 2025 तक कुल 14.14 करोड़ बचत खाते खोले गए, जिसमें 6.84 करोड़ पुरुषों के और 7.29 करोड़ महिलाओं के बचत खाते हैं। प्रति लाख आबादी के औसत के हिसाब से प्रदेश में महिला खातों का औसत 73,524 तो वहीं पुरुष खातों का औसत 62,886 है। यानि, प्रदेश में महिला बचत खातों की संख्या पुरुषों के मुकाबले 10,638 ज्यादा है।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादक: अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
छपाई
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन
द्वारा साफ सुन्दर
एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

# सकारात्मक पत्रकारिता के लिये मिलकर चलने का लिया संकल्प

## ● पत्रकारिता एव पत्रकार हितों के लिये गठित प्रेस क्लब ऑफ हाथरस की कार्यकारिणी का स्वागत एव सम्मान का सिलसिला लगातार जारी

(भव्य प्रभात)
हाथरस। पत्रकारिता एव पत्रकार हितों के लिये गठित प्रेस क्लब ऑफ हाथरस की कार्यकारिणी का स्वागत एव सम्मान का सिलसिला लगातार जारी है। आज शहर के प्रमुख समाजसेवियों द्वारा प्रेस क्लब की कार्यकारिणी स्वागत एव सम्मान किया गया। स्वागत समारोह में वक्ताओं ने पत्रकारों कें उत्थान एवँ अधिकारों की बात कही। सकारात्मक पत्रकारिता की दिशा में एक साथ कदम से कदम मिलकर चलने का संकल्प लिया गया। वहीँ प्रेस क्लब ऑफ हाथरस का विस्तार शीघ्र ही किये जाने की घोषणा की गई।

प्रेस क्लब ऑफ हाथरस की नव गठित कार्यकारिणी का स्वागत एव सम्मान समारोह शहर के इगलास रोड स्थित अनन्या फार्म पर किया गया। समारोह का शुभारंभ शहर के प्रमुख समाजसेवी रवि चौहान भट्टे वाले एवँ प्रेस क्लब के अध्यक्ष उमाशंकर जैन ने माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर एवँ पुष्प अर्पित कर किया गया।

इसके उपरांत आयोजकों द्वारा प्रेस क्लब की कार्यकारिणी का फूलमाला पहनाकर एव पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया। प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित

किया गया। इसके बाद जिले की सभी तहसीलों व कस्बों से आये पत्रकारों का स्वागत एव सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह को प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के अध्यक्ष उमाशंकर जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्कर कुमार , महामंत्री राजदीप तोमर , कोषाध्यक्ष ब्रजेश चंद्र मिश्र , उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता , मंत्री राहुल शर्मा ,मीडिया प्रभारी आशीष संगर, कार्यकारिणी सदस्य उमाकांत पुंढीर, कार्यकारिणी सदस्य शैलेन्द्र कुमार सिंह,कार्यकारिणी सदस्य उमाकांत कुलश्रेष्ठ बौबी तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी पूर्ण तरीके से संचालन पं. अरुण कुमार शर्मा चौपइयां वालों द्वारा किया गया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से , देव प्रकाश देव , रंजीत कुमार, विनय चतुर्वेदी , मुकेश यादव , सुनील शर्मा ,आबिद हुसैन, पुष्पांत शर्मा नीरज वार्ष्णेय , अमित शर्मा , समाजसेवी सतपाल सिंह चौहान , युवा समाजसेवी मानवेंद्र प्रताप सिंह, समाजसेवी राहुल चौहान, मनोज वार्ष्णेय कातिब , ज्ञान सिंह चौधरी , ओम प्रकाश शर्मा डब्बू गुरु, राजू शर्मा, अतुल जादौन , मनोज शर्मा, भाजपा समर्थक मंच प्रदेश प्रभारी ठाकुर संग्राम सिंह, मोहित चौहान, छोटू राणा , अजय पौरूष, गिन्नी ठाकुर, आशीष जादौन , रवि गहलोत , योगेश सिंह चौहान , दीनदयाल बौहरे , खगेंद्र तोमर , रोहित राज सभासद प्रतिनिधि, संदीप सिंह, शिवम ठाकुर आदि मौजूद रहे।

## पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग ,किसी भी पत्रकार का नही होने देंगें उत्पीडन : उमाशंकर जैन

प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के अध्यक्ष उमाशंकर जैन ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग है। वहीँ पत्रकार रात दिन कड़ी मेहनत कर सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालकर सामाजिक न्याय की बात करता है । वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। उन्होने कहा कि पचकारों को उनके अधिकार दिलाये जायेगें। उन्होने कहा कि उनकी पूरी टीम सभी पत्रकारों के साथ है किसी भी पत्रकार का किसी भी प्रकार से उत्पीडन नही होने दिया जायेगा।

## निष्पक्ष और सच्चाई के साथ काम करें पत्रकार: रवि चौहान भट्टे वाले

कार्यक्रम के अध्यक्ष लोकप्रिय समाजसेवी रवि चौहान भट्टे वालों ने प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुये कहा कि पत्रकारिता एक चुनोतीपूर्ण पेशा है और पत्रकारों को हमेशा निष्पक्ष और सच्चाई के साथ काम करना चाहिये। उन्होंने कहा कि हमें आशा ही नही पूर्ण भरोसा है कि प्रेस क्लब पत्रकार हितों के लिये कार्य करते हुये एक नया इतिहास रचेगा।

## एमजी पॉलिटेक्निक मे १५ को लगेगा वृहद रोजगार मेला

(भव्य प्रभात)
हाथरस। जिलाधिकारी ,मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में दिनांक 15 जुलाई 2025 को दिन मंगलवार को एमजी पॉलिटेक्निक हाथरस मे एक वृहद रोजगार मेला एवं विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 15 से अधिक निजी क्षेत्र की कंपनियों (हेंडा एजेंसी, सनी गारमेंट्स, श्री श्याम मैनपॉवर, सिक्योर स्किल डेवलपमेंट, जारी जरदोसी एवं क्लस्टर, gravis Infotech] कैमल इलेक्ट्रिक एनर्जी, रेडियंट एनर्जी, पवन इलेक्ट्रॉनिक, astrolite electronic, एल आई सी लाइफ इंश्योरेंस, SBI Life insurance] शारदा कंसलटेंसी, इत्यादि) द्वारा टेक्निकल एवं नॉन टेक्निकल क्षेत्र के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कम से कम 18 से 35 आयु वर्ग के युवक ध्युवतियां रोजगार में प्रतिभाग कर सकते हैं।

न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10वीं, 12वीं, पास से लेकर आईटीआई बीटेक ग्रेजुएट पोस्ट ग्रेजुएट पास अभ्यर्थियों को बिल्कुल फ्री में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।

बेरोजगार व नौकरी के लिए इच्छुक पुरुष व महिलाएं अपनी योग्यता अनुसार दिनांक 15 जुलाई 2025 को प्रातः 10रू00 बजे अपराह्न 4रू00 बजे तक एमजी पॉलिटेक्निक हाथरस के प्रांगण में अपने समस्त शैक्षिक दस्तावेज (योग्यता के प्रमाण पत्र ,बायोडाटा, पासपोर्ट साइज फोटो ,आधार कार्ड , शैक्षिक प्रमाण पत्र आदि) के साथ समय से प्रतिभाग कर सकते हैं।

विश्व कौशल दिवस के अवसर अवसर पर कौशल विकास मिशन एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना का प्रचार प्रसार भी किया जाएगा।

## पांच माह पहले बंद मकान से हुई चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। करीब पांच माह पहले कूपा गली स्थित एक मकान में हुई चोरी के मामले में न्यायालय के आदेश पर सादाबाद कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कूपा गली सादाबाद निवासी नवीन कुमार पुत्र हरप्रसाद ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को वह अपने पूरे परिवार के साथ कुंभ मेले में नहाने प्रयागराज गया था, जब वह वापस अपने घर दिनांक 31 जनवरी को आया तो घर आते ही उसने देखा कि उसके घर के सभी दरवाजे बंद हैं, लेकिन घर की ऊपरी मंजिल का लोहे का टट्टर टूटा हुआ है। उसने पुलिस को कॉल किया, तब पुलिस ने दरवाजे खुलवाए और घर की तीसरी मंजिल पर लोहे का जाल व टट्टर कटा हुआ मिला। घर में रखे सोने की अंगूठी, सोने का मंगलसूत्र, ठाकुरजी के सोने के आभूषण, पोशाक और करीब दो लाख रूपये की नगदी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना की तहरीर थाने व एसपी को भेजे जाने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।

## पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष की मां का निधन

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह और ग्राम पंचायत मई के प्रधान रनवीर सिंह की करीब 87 वर्षीय माताजी रामवती देवी पत्नी उदयराम की रविवार को हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन उपचार के लिए उन्हें आगरा भी ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने भी उन्हें मष्त घोषित कर दिया। राजवीर सिंह के मुताबिक, दो दिन पहले ही उनकी माताजी की तबियत अचानक बिगड़ गई थी। गांव में उनके शव का अंतिम संस्कार किया गया।


## अधिशासी अभियन्ता,प्रान्तीय खण्ड लो०नि०वि०,हाथरस

### निविदा आमंत्रण सूचना

### अल्पकालीन निविदा सूचना(द्वितीय बार निविदा आमंत्रण)

पत्रांक 1811/11ए दिनांक – 05.07.2025

1 महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0, लो0नि0वि0, हाथरस द्वारा श्रेणी 'ए', बी, सी, डी भवन कार्यो की श्रेणी में पंजीकृत योग्य ठेकेदारो से प्रतिशत दरो पर ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। बिड प्रस्तुत करते समय निविदा के आई0टी0बी0 के प्रस्तर–4 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार बिड अपलोड करें।

2

| क्र0 सं0 | जिला | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख रू0 में) | धरोहर धनराशि (लाख रू0 में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने का समय | कार्यकारी अधि0अभि0 के कार्यालय का पता | अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय का पता | मुख्य अभियन्ता कार्यालय का पता | ठेकेदारों की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | हाथरस | जनपद हाथरस के थाना सासनी में 01 विवेचना कक्ष के निर्माण कार्य। | 15.00 | 1.50 | स्टे0चार्ज+नि0प्र0मूल्य +जी0एस0टी0 = रू0 766 | 02 माह | अधिशासी अभियंता, प्रा0ख0 लो0नि0वि0 हाथरस | अधीक्षण अभियंता, अलीगढ़ वृत्त लो0नि0वि0 अलीगढ़ | मुख्य अभियंता, अलीगढ़ क्षेत्र लो0नि0वि0 अलीगढ़ | ए, बी, सी, डी (नियमानुसार) |

3 कार्य पूर्ण करने की अवधि में वर्षा ऋतु भी सम्मिलित है।

4 बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 16.07.2025 से 23.07.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 23.07.2025 को समय 12.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 23.07.2025 को समय 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

5 निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

6 कार्य पूर्ण करने की अवधि में वर्षा ऋतु भी सम्मिलित है।

अधिशासी अभियन्ता
प्रन्तीय खण्ड,लो0नि0वि0 ,हाथरस

www.upgov.nic.in Upid-235803 Date-09-07-2025

# 15 जुलाई को प्रसिद्ध गीतकार रहे डॉ शिव बहादुर सिंह भदौरिया जयंती अलंकरण कार्यक्रम होगा आयोजित, तैयारियां प्रारंभ

लालगंज रायबरेली ।डॉक्टर शिव बहादुर सिंह भदौरिया जयंती अलंकरण एवं काव्यांजलि समारोह के संबंध में एक आवश्यक प्रेस वार्ता बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित की गईस डॉक्टर शिव बहादुर सिंह भदौरिया बैसवारा के ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष के प्रसिद्ध नवगीतकार थे ।उनके व्यक्तित्व कृतित्व से नई पीढ़ी को भी प्रेरणा मिले, इसलिए काव्यलोक संस्था द्वारा 15 जुलाई को उनका जयंती समारोह नारायण उत्सव लॉन में मनाया जा रहा है, यह जानकारी देते हुए काव्यालोक संस्था के अध्यक्ष बीएमपीएस के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष भारतवर्ष के प्रसिद्ध गीतकारों को कार्यक्रम के तहत सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष शिवबहादुर सिंह भदौरिया स्मृति सम्मान डॉक्टर बुद्धिनाथ मिश्र नवगीतकार देहरादून को दिया जा रहा है। प्रोफेसर हरेंद्र बहादुर सिंह स्मृति सम्मान शैलेंद्र प्रताप सिंह पूर्व पुलिस महानिरीक्षक रनमऊ को दिया जा रहा है ।प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेश नारायण सिंह बच्चा बाबू स्मृति सम्मान दानवीर ठाकुर सुरेंद्र बहादुर सिंह को दिया जा रहा है और सामाजिक कार्यकर्ता सम्मान अवनेंद्र सिंह काव्यालोक परिवार के पूर्व महामंत्री को दिया जाएगा। काव्यांजलि समारोह में प्रसिद्ध व्यंगकार शलेष गौतम प्रयागराज व प्रदीप महाजन हास्य बाराबंकी, प्रवीण प्रसून गजलकार फतेहपुर भी अपने गीतों से लोगों का भरपूर मनोरंजन करेंगे। संयोजक विनय भदौरिया ने भी डॉक्टर शिव बहादुर सिंह के विषय में विस्तृत रूप से बताते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक नेता आशीष प्रताप सिंह के द्वारा किया गया। प्रेस वार्ता मे हरिनाम सिंह संरक्षक व आशीष प्रताप सिंह महामंत्री, विश्वास बहादुर सिंह कोषाध्यक्ष ,योगेंद्र प्रताप सिंह व उदय बाजपेई उपस्थित रहे ।

## पुलिस और वाहन चोर के बीच मुठभेड़,बदमाश ने किया फायर, जवाबी कार्रवाई में घायल

नोएडा,(यूएनएस)। नोएडा के थाना फेस–2 क्षेत्र में पुलिस और वाहन चोर के बीच मुठभेड़ हुई। घटना निम्मी विहार तिराहे सेक्टर 88 की है। पुलिस रात्रि में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया। बाइक सवार रुका नहीं और दादरी मेन रोड की तरफ भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया। ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 88 कट से पहले बदमाश ने खुद को घिरा देख बाइक गिरा दी। उसने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान इरफान उर्फ पिंटू (22) के रूप में हुई। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के भिंड का रहने वाला है। वर्तमान में नोएडा के नयागांव में रहता है। उसके पास से एक देसी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (यूपी16सीजे1035) बरामद हुई।इरफान एनसीआर क्षेत्र में दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई कर रही है।

## पुलिस की वर्दी पहनकर धमकी देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार,मुठभेड़ के दौरान लगी गोली

नोएडा,(यूएनएस)। नोएडा में पुलिस ने एक शातिर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को जेल भेजने की धमकी देकर ठगी करता था। थाना फेस–3 पुलिस टीपीनगर चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रुकने का इशारा किया। आरोपी रुकने की बजाय भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान मेरठ के थाना किला परीक्षितगढ़ के ग्राम चितवाना शेरपुर निवासी अमित उर्फ सुक्के के रूप में हुई। वह वर्तमान में नोएडा के बहलोलपुर में किराए पर रहता है। आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से यूपी पुलिस की वर्दी, मोटरसाइकिल की फर्जी नंबर प्लेट और स्प्लेंडर प्रो बाइक भी बरामद की है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी अपने साथी के साथ मिलकर पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को धमकाता था। वह पीड़ितों से गूगल–पे के जरिए पैसे भी ऐंठता था। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। थाना फेस–3 में पहले से दर्ज मामले में आरोपी के पास से 1200 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।

## सांड से बचने में सड़क हादसा,डंपर ने स्कूटी को टक्कर मारी, महिला की मौत, पति घायल

नोएडा,(यूएनएस)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में महागुन मार्ट के सामने हुए सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। सांड से बचने के दौरान हुए इस हादसे में स्कूटी सवार महिला व उसके पति घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब रक्षा डेला सोसाइटी, गौर सिटी–2 के निवासी राज नारायण और उनकी 55 वर्षीय पत्नी सरिता स्कूटी पर मंदिर से लौट रहे थे। उन्होंने सड़क किनारे एक फल की रेहड़ी से फल खरीदे। जैसे ही वे आगे बढ़े, अचानक एक सांड सामने आ गया। इससे स्कूटी सड़क की तरफ मुड़ गई और पीछे से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दी। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सरिता को मृत घोषित कर दिया। राज नारायण का इलाज जारी है। नोएडा पुलिस की मीडिया सेल के अनुसार, पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डंपर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

## अपर पुलिस अधीक्षक एसके सिन्हा ने बाबा बालेश्वर मंदिर और गेगासो में गंगा घाट का किया निरीक्षण

लालगंजरायबरेली। सावन माह और कांवड़ियों की यात्रा को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने लालगंज पुलिस के साथ बाबा बाल्हेश्वर धाम और गेगासो गंगा घाट का निरीक्षण किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने लालगंज कोतवाल को बाबा बालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था।

## लालगंज थाना दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक और उप जिलाधिकारी ने जनता की समस्या सुनकर निस्तारण का दिलाया भरोसा

लालगंज रायबरेली। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंन्हा और उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने लालगंज थाना दिवस में जनता की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और सभी फरियादियों को निस्तारण का भरोसा दिलाया। अपर पुलिस अधीक्षक ने लालगंज पुलिस को निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाए जिससे लोगों को बार–बार थाना और तहसील के चक्कर न काटने पड़े। वहीं उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने जमीन संबंधी विवादों की सुनवाई करते हुए कई समस्याओं का निस्तारण भीकिया। मेरुई के नरेंद्र सिंह ने गांव के ही जय बहादुर सिंह के खिलाफ शिकायत करते हुए बताया कि विपक्षी उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है । एसडीएम ने मामले में लेखपाल प्रियम पांडे को मौके पर जाकर समाधान कराने का निर्देशदिया। वही रामपुर के ओमप्रकाश ने गांव के ही वीरेंद्र के खिलाफ जमीनी विवाद संबंधी शिकायत की जिस पर एसडीएम ने निस्तारण का भरोसा दिलाया। थाना दिवस मे जमीनी विवाद सहित मारपीट के भी कई मामलेआये। थाना दिवस में प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ,अपराध निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ,उपनिरीक्षक अमरेश द्विवेदी, मोहित शर्मा ,रविंद्र तिवारी सहित कानून गो गंभीर सिंह ,बृजेश प्रताप सिंह और लेखपाल उमाकांत तिवारी,मनमोहन पांडे, प्रियम पांडे, वीरेंद्र सिंह,दीपक यादव,नम्रता सिंह मौजूद रही।

## सावन के पहले सोमवार पर भोले बाबा के दर्शन के लिए निकल पड़े हैं कांवड़िये

लालगंज रायबरेली। सावन के पवित्र महीने में कांवड़ियों का जत्था बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए निकल पड़ा है। लालगंज क्षेत्र के झाबर हरदो पट्टी निवासी मुन्ना सिंह चौहान ,मुकेश कुमार, अंकित साहू ,संदीप सिंह ,विवेक कुमार आदि ने बताया कि वे पहले बाबा विश्वनाथ के दर्शन सोमवार को करेंगे। उसके बाद सुल्तानगंज हरिद्वार से गंगा जल लेकर बाबा बैजनाथ धाम में जलाभिषेक भोले बाबा का करेंगे । लालगंज में सुशील शुक्ला के द्वारा कांवड़ियों का स्वागत सम्मान कियागया।वही तहसील प्रशासन की ओर से कांवड़ियों के लिए सुरक्षा और सुविधा के इंतजाम किए हैं। जगह–जगह कांवड़ियों के लिए शिविर लगाए गए हैं, जहां उन्हें भोजन, पानी और विश्राम की सुविधा प्रदान की जा रही है। कांवड़िए भोलेनाथ की भक्ति में लीन हैं और बम बम भोले के जयकारे लगा रहे हैं। उनकी यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन प्रयासरत है । उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने बताया कि लालगंज के गुरु कृपा उत्सव लॉन में कांवड़ियों के ठहरने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। वही पहले सोमवार को बाबा बाल्हेश्वर में भी कांवड़ियों का जत्था दर्शन करने पहुंचेगा, यह जानकारी देते हुए प्रसिद्ध भागवताचार्य और मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित झिलमिल जी महाराज ने कहा कि सावन के पहले सोमवार को बाबा बाल्हेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ–साथ कांवड़ियों की भी भारी भीड़ उमड़ती है।

# सादाबाद-सहपऊ रोड पर अतिक्रमण से बुरा हाल, अतिक्रमण हटवाकर वसूला २१ हजार रूपये का जुर्माना

- कांवड यात्रा के दौरान भी अतिक्रमणकारियों ने खाली नही किए फुटपाथ व सड़क

सादाबाद। नगर में बाजारों से लेकर तिराहों और चौराहों पर अतिक्रमण ने राह चलना तक दुश्वार कर दिया है। अब कांवड़ियों की राह में भी अतिक्रमण बाधक बन गया है। रविवार को एसडीएम संजय कुमार व सीओ हिमांशु माथुर ने पुलिस बल के साथ सहपऊ रोड विनोवा नगर चौराहे पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान अधिकारियों की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में खलबली मच गई। कई अतिक्रमणकारी बाहर फुटपाथ पर रखे अपने सामान को अंदर फेंकने लगे, तो कई लोग काउंटर्स व तिरपाल आदि को समेटने लगे।

प्रशासन की अनदेखी की वजह से नगर में बाजारों, तिराहों, चौराहों पर फुटपाथ और सड़कों पर लगातार अवैध कब्जे, स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण हो रहा है, समय समय पर लगातार चेतावनी व नोटिस दिए जाने के बाद भी अतिक्रमणकारी अतिक्रमण करने से बाज नहीं आ रहे। सादाबाद से सहपऊ रोड पर घुसते ही सड़क किनारे दोनों ओर सड़क के कई कई फुट चौड़े फुटपाथों को दुकानदारों ने अपना सामान, तख्त, काउंटर्स लगाकर घेर लिया है। दुकान के अंदर से अधिक सामान फुटपाथों पर लगा दिखाई देता है। कई जगह फुटपाथो को ढकेल व फड़ वालों को किराए पर उठा दिया गया है। लगातार की जा रही कार्रवाई के बाद भी यह अतिक्रमणकारी बाज नहीं आ रहे। कांवड यात्रा शुरू होने के बाद भी इन अतिक्रमणकारियों ने फुटपाथों को खाली नहीं किया, लिहाजा, शिकायत के बाद एसडीएम संजय कुमार व सीओ हिमांशु माथुर ने पुलिस बल के साथ सख्ती पूर्वक फुटपाथों से अतिक्रमण को हटवाया और चेतावनी दी कि यदि फिर से अतिक्रमण किया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर ही सडक व फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले कई दुकानदारों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। नगर पंचायत के लिपिक अनुपम गुप्ता ने बताया कि उक्त अतिक्रमणकारियों से 21 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। इधर, जुर्माना वसूले जाने के बाद इन्हें थाने से छोड़ दिया गया।

# मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया कावड कैम्पों को निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हाथरस सिकन्द्रा राऊ रोड पर संचालित किये जा रहे कावड कैम्पों को निरीक्षण किया गया। कावड शिविर कैलोरा पर रागिनी शर्मा सी0एच0ओ0, योगेन्द्र कुमार लखपाल, बृजेश कुमार अवर अभियन्ता, अमित कुमार पंचायत सहायक उपस्थित पाये गये। सी0एच0ओ0 के पास भी बैन्डेज, बीटाडिन, कॉटन, सभी आवश्यक दवायें उपलब्ध पायी गयी।

तदोपरान्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा कावड शिविर सलेमपुर का निरीक्षण किया गया। अमिता सिंह सी0एच0ओ0 नरेन्द्र कुमार लेखपाल, कृष्ण कुमाार पंचायत सहायक उपस्थित पाये गये। सी0एच0ओ0 के पास भी बैन्डेज, बीटाडिन, कॉटन, सभी आवश्यक दवायें उपलब्ध पायी गयी।

इसके बाद सिकन्द्रा राऊ चौराहा पर स्थापित कैम्प का निरीक्षण किया गया डॉ आर0 के0 वर्मा प्रभारी चिकित्सा अधिकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकन्द्रा राऊ, डॉ जितेन्द्र कुमार चिकित्सा अधिकारी, सुरेश कुमार फार्मासिस्ट, ओमवती यादव मुख्य सेविका आंगनवाडी उपस्थित पायी गयी। सी0एच0ओ0 के पास भी बैन्डेज, बीटाडिन, कॉटन, सभी आवश्यक दवायें उपलब्ध पायी गयी।

तदोपरान्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सि0 राऊ का निरीक्षण किया गया डॉ आर0 के0 वर्मा प्रभारी चिकित्सा अधिकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकन्द्रा राऊ भी उस समय उपस्थित रहे। डॉ दिब्याशं त्रिवेदी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी , ज्योति कुमारी स्टाफनर्स उपस्थित पाये गये तथा नीतेश कुमार सपोर्टिंग स्टाफ अनुपस्थित पाये गये। डॉ दिब्याश त्रिवेदी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया कि प्रतिदिन लगभग 80 मरीज ओ0पी0डी0 में आते हैं जिसमें 15 से 20 मरीजों की विभिन्न सम्बन्धित रोगों की जॉच की जाती है।

# स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारोत्तोलन खेल का जूनियर आयु वर्ग के बालको को जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

(भव्य प्रभात)

हाथरस। स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारोत्तोलन खेल का जूनियर आयु वर्ग के बालको को जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव सिंह यादव ने फीता काट कर किया तथा खिलाडियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में कुल 63 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता कुल 10 भार वर्गो में आयोजित करायी गयी। पुरस्कर वितरण के मुख्य अतिथि राज बहादुर सिंह उप जिलाधि ाकारी, हाथरस द्वारा विजेता खिलाडियों व ऑफिशियलों को पुरस्कर देकर सम्मानित किया।प्रतियोगिता में पधार दोनो मुख्य अतिथियों का स्वागत काशी नरेश यादव, उपक्रीड़ा अधिकारी, अंसार हुसैन, सुजी यादव, वर्षा रानी ने माल्यापर्ण कर फटका पहनाकर किया।

क्रीडा अधिकारी द्वारा प्रतियोगिता के आयोजन के सम्बन्ध में बताया गया। प्रतियोगिता को आयोजित कराने में अभिषेक दूवे ललीतेश शर्मा, विपिन चौधरी, प्रवीन कुमार, मनोज राणा, पूजा राणा, आकाश यादव, अनिष यादव, प्रद्युमन, वर्षा रानी आदि रहें। प्रतियोगिता श्री सूजी यादव द्वारा उप क्रीडा अधिकारी काशी नरेश यादव के देख–रेख में आयोजित करायी गयीं। इस अवसर पर स्मृता सिंह सीमा सागर चादनी जितेन्द्र वियोगी आदि उपस्थित रहे। अन्त में अतिथियों के उद्बोध ान के उपरान्त धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# मुख्य विकास अधिकारी ने कांवड कैंपों का किया निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित ने रविवार को सादाबाद में आगरा अलीगढ़ राजमार्ग पर कांवड़ियों के लिए बनाए गए कांवड कैंपों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने बीडीओ व अन्य अधीनस्थों को कैंपों को साफ सुथरा रखने, कांवड़ियों की मदद करने आदि के संबंध में दिशा निर्देश दिए। मौके पर खंड विकास अधिकारी सुरेष कुमार सिंह, एडीओ पंचायत रामकिषन सिंह, ग्राम विकास अधिकारी ऋशि कुमार षर्मा आदि थे।

# खौंड़ा से चोरी की गई स्कूली बस सादाबाद में पेड़ से टकराई, बस को छोड़कर भागे चोर

सादाबाद। सादाबाद क्षेत्र के एक स्कूल की बस को शनिवार की रात थाना सहपऊ क्षेत्र के गांव खौंड़ा से को चोरी कर भाग रहे चोर सादाबाद में सड़क हादसे का शिकार हो गए। सड़क हादसे में बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन चोर हादसे के बाद भागने में सफल रहे। इस मामले में बस चालक द्वारा सहपऊ थाने में तहरीर दी गई है।

सहपऊ थाने में दी गई तहरीर में बस चालक ओंकार सिंह ने बताया कि वह सादाबाद के एक निजी स्कूल की ट्रेवलर बस का चालक है। वह काफी समय से बस का संचालन कर रहा है। रोजाना की तरह बस शनिवार की रात भी गांव में उसके घर के सामने सड़क पर खड़ी थी, लेकिन रात में ही अज्ञात चोर बस को चुराकर ले गए। वह सुबह उठा तो देखा कि बस मौके से चोरी हो चुकी थी, जिसकी सूचना उसने बस मालिक को दी। बस मालिक ने उसे बताया कि उक्त बस से आगरा रोड जैतई मोड़ सादाबाद के पास हड़बड़ाहट में चोर ने भगाते हुए पेड़ में टक्कर मार दी है, जिससे बस क्षतिग्रस्त हो गई है। बताते हैं कि उक्त स्कूली बस हाथरस की तरफ जा रही एक थार से टकराते हुए पेड़ से जा टकराई। हादसे में थार भी क्षतिग्रस्त हो गई। रात में ही सादाबाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।

## तीसरे दिन मिला मंदाकिनी नदी में डूबे युवक का शव

सादाबाद। गुरूपूर्णिमा पर बिसावर से चित्रकूट गए एक श्रद्धालु की मंदाकिनी नदी में डूबकर मौत हो गई। तीन दिन बाद गोताखोरों ने उसके शव को नदी से ढूंढ लिया। उसका शव मंदाकिनी नदी में चित्रकूट से करीब 15 किमी दूरी पर मिला। शव मिलते ही वहां मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। देर रात मृतक का शव बिसावर में लाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि व किसान नेता गिरेंद्र चौधरी के चचेरे भाई करीब 42 वर्षीय मनोज चौधरी पुत्र वीरी सिंह निवासी डाकखाना मौहल्ला बिसावर आठ जुलाई को चित्रकूट स्थित मौनी बाबा आश्रम पर गए थे। यहां गुरूपूर्णिमा पर भंडारे का आयोजन किया गया था। मनोज अपने गुरू के दर्शन करने व मंदाकिनी में नहाने गए थे। बताते हैं कि 11 जुलाई को सुबह आठ बजे जब मनोज स्फटिक शिला के पास चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में स्नान कर रहे थे तो इसी दौरान अचानक आए तेज बहाव की वजह से वह नदी में डूब गए। दो दिन तक लगातार मनोज की तलाश वहां गोताखोरों व पुलिस कर्मियों ने की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। तीसरे दिन रविवार को मनोज का शव नदी में ही करीब 15 किमी दूर करबी थाना क्षेत्र में मिला है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों के मुताबिक, देर रात मनोज का शव बिसावर पहुंचेगा। घटना से बिसावर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

### दलित युवती से छेड़छाड़ की घटना में बसपाइयों ने की कार्रवाई की मांग

सादाबाद। चंदपा क्षेत्र के एक गांव में दलित युवती छेड़छाड़ व जातिसूचक गालियां देने के मामले में बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र सादाबाद के अध्यक्ष राज बहादुर सिंह एवं विधानसभा क्षेत्र सादाबाद प्रभारी डॉ. महेष चंद्र पिपल एवं प्रमोद कुमार आजाद मौके पर पहुंचे। उन्होने पीड़ित युवती से बातचीत की। बातचीत के दौरान युवती ने युवक द्वारा किए गए उत्पीड़न की पूरी घटना से उन्हें अवगत कराया। इसके बाद बसपा नेताओं ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग की।

# राज्यसभा सांसद ने जताई शोक संवेदना

सादाबाद। ग्राम पंचायत शेरपुर के पूर्व प्रधान सुरेश कुमार के पिता बाबूलाल का गत दिनों आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर रविवार को राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने दुख व्यक्त करते हुए उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना जाहिर की। इस दौरान अन्य काफी लोग मौजूद रहे।

## मुझसे तुलना मत करवाइए

# कोंकणा सेन शर्मा

‘मेट्रो इन दिनों’ पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आईं कोंकणा सेन शर्मा ने इस फिल्म में इरफान खान के न होने को लेकर बात की है। साल 2007 में अनुराग बसु की फिल्म श्लाइफ इन अ मेट्रोश में इरफान खान और कोंकणा सेन शर्मा की जोड़ी ने ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बना ली थी। एक साधारण सी लगने वाली कहानी को दोनों ने अपनी संजीदा अदाकारी से बेहद खास बना दिया था। अब 17 साल बाद अनुराग बसु उसी कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं अपनी नई फिल्म श्मेट्रो इन दिनोंश के जरिए। इस फिल्म में भी कोंकणा प्रमुख भूमिका में नजर आ रही हैं। इस बार फिर सबकी नजरें कोंकणा सेन शर्मा पर हैं। लेकिन इस बार एक बहुत बड़ा फर्क है, इरफान खान। इरफान अब हमारे बीच नहीं हैं। उनकी जगह इस बार पंकज त्रिपाठी ने ली है। यही फर्क बातचीत के दौरान कोंकणा को भावुक कर गया। जानिए इरफान और फिल्म को लेकर कोंकणा ने क्या कुछ साझा किया। मुझसे तुलना मत करवाइए ३श डिजिटल से बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या पंकज त्रिपाठी में कभी इरफान की कोई झलक दिखाई दी, तो कोंकणा ने तुरंत कहा, श्प्लीज मुझसे मत पूछिए ये सवाल। क्योंकि दो बिल्कुल अलग आत्माओं की तुलना करना बहुत कठिन है।श कुछ देर चुप रहने के बाद बेहद सादगी से कोंकणा ने कहा कि इरफान के साथ जो रिश्ता था, वो बहुत ही खास था। यह जो जुड़ाव है, वह भी अपने आप में अनोखा है। लेकिन मैं इस तुलना का जवाब नहीं दे सकती। कोंकणा ने इरफान को याद करते हुए कहा कि वो सिर्फ एक बेहतरीन कलाकार नहीं थे, बल्कि एक बेहद संवेदनशील इंसान भी थे। उनके साथ काम करना एक ऐसा अनुभव था, जिसे दोबारा महसूस नहीं किया जा सकता। शादी में कुछ साल बाद नीरसता आने लगती है इस बार फिल्म में कोंकणा ने श्काजोलश नाम की एक शादीशुदा महिला की भूमिका निभाई है, जो 10–12 साल के वैवाहिक जीवन के बाद उस मोड़ पर खड़ी है, जहां सब कुछ होते हुए भी बहुत कुछ अधूरा महसूस होता है। कोंकणा बताती हैं कि कई बार आप सही इंसान से शादी करते हैं, और सब कुछ ठीक भी होता है। लेकिन कुछ वर्षों बाद एक ऐसा समय आता है जब सब कुछ रूटीन सा लगने लगता है। बच्चों की पढ़ाई, ईएमआई, स्कूल की फीस। इन सबसे एक नीरसता सी आने लगती है। फिल्मों में हम अक्सर प्रेम कहानियों की शुरुआत दिखाते हैं, लेकिन उसके बाद क्या होता है – ये बहुत कम दिखाया जाता है। इस किरदार की सबसे दिलचस्प बात मुझे यह लगी कि वो किसी की शिकार नहीं है, न कोई त्यागमूर्ति। उसमें एक तरह की प्रतिस्पर्धा है कि जो तुम करोगे, वो मैं भी करूंगी। यही बात मुझे उसमें बहुत पसंद आई। कभी मेनस्ट्रीम हीरोइन नहीं बनना चाहती थीं कोंकणा कोंकणा सेन शर्मा हमेशा से कंटेंट–ड्रिवन सिनेमा की पहचान रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक था कि बातचीत के दौरान उनसे यह पूछा जाए कि क्या कभी उन्हें लगा कि करण जौहर उन्हें शाहरुख खान के साथ किसी फिल्म में कास्ट करेंगे? इस सवाल पर कोंकणा मुस्कुराईं और बेझिझक बोलीं, श्वो मेरा जोन कभी रहा ही नहीं। वैसे भी बहुत सारे लोग उस जोन में बहुत अच्छा काम करते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वो मेरी ताकत है। मैं किसी भी तरह की कहानी के लिए तैयार हूं, बशर्ते किरदार अच्छा हो, निर्देशक अच्छा हो। लेकिन वो श्मेनस्ट्रीम हीरोइनश वाला सपना कभी मेरा नहीं था।श क्या फिल्मों में आएगा कोंकणा का बेटा अपने 14 साल के बेटे को लेकर कोंकणा बताती हैं कि वो मेरी ज्यादातर फिल्में देख नहीं पाता, क्योंकि वो थोड़ी गंभीर होती हैं। अभी वो मार्वल, अवेंजर्स जैसी फिल्में देखता है। लेकिन अब मैं उसे एक इंसान के रूप में जान रही हूं। उसकी अपनी पसंद, सोच, संवेदनशीलता उभर रही है, और एक मां के लिए यह देखना बहुत ही खास अनुभव है। बेटे के एक्टिंग में आने पर कोंकणा का कहना है कि बिल्कुल अगर वो करना चाहे तो मुझे कोई आपत्ति नहीं। लेकिन हां, पहले पढ़ाई तो पूरी करनी ही होगी। मां अपर्णा की फिल्म में नजर आएंगी कोंकणा वर्कफ्रंट की बात करें तो ‘मेट्रो इन दिनों’ के बाद कोंकणा जल्द ही अपनी मां अपर्णा सेन की फिल्म श्द रेपिस्टश में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने प्रतिभा रांटा के साथ एक फिल्म की है। वहीं हॉटस्टार के लिए एक वेब सीरीज श्किलिंगश भी कर रही हैं। जब श्मेट्रो३ इन दिनोंश के लिए अनुराग बसु ने आपको कॉल किया, तो सबसे पहले आपके मन में क्या ख्याल आया? जब अनुराग का कॉल आया कि वो श्मेट्रो इन दिनोंश बना रहे हैं और मुझे उसमें कास्ट करना चाहते हैं, तो मैं चौंक गई। मुझे नहीं पता था कि वो श्लाइफ इन अ मेट्रोश जैसी किसी फिल्म पर दोबारा काम कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही उन्होंने स्क्रिप्ट का जिक्र किया तो दिल से बस एक ही बात निकली– हां। इससे पहले मैंने कभी किसी सीक्वल में काम नहीं किया था और वो भी अनुराग दा के साथ? तो ये मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं था। 17 साल बाद अनुराग बसु के साथ दोबारा काम करने का अनुभव कैसा रहा? अनुराग दा के साथ काम करना किसी पुरानी दोस्ती में फिर से लौट जाने जैसा था। ना वो बदले, ना मैं। हां, हमारे जीवन में जरूर बदलाव आए। अब मेरा बेटा 14 साल का हो गया है। लेकिन हमारी सोच, जुड़ाव और काम का तरीका, सब वैसा ही रहा। उनके साथ काम करना हमेशा बहुत सहज होता है। पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करना कैसा रहा? पंकज त्रिपाठी के साथ ये मेरी पहली फिल्म थी, और कहना होगा– वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। स्क्रिप्ट में जो ह्यूमर था, उसे वो अपने अंदाज से और भी जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करते हुए कभी कोई बनावटीपन महसूस नहीं होता। ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने दोस्त से बात हो रही हो। उनके अभिनय में जो गहराई और सच्चाई है, वो काबिले–तारीफ है। आपने स्क्रीन पर हमेशा गंभीर और गहराई से भरे किरदार निभाए हैं।

क्या कभी टाइपकास्ट महसूस किया? कई बार लोगों ने कहा कि मैं सीरियस किरदार ही ज्यादा करती हूं और शायद करियर की शुरुआत में ही मैं टाइपकास्ट भी हो गई थी। लेकिन बेटे के जन्म के बाद जैसे किरदार मिले, वो ज्यादा अधूरे और असली थे। अब मैं ऐसी महिलाओं का रोल करना पसंद करती हूं जो गलतियां करती हैं और कमजोर हैं क्योंकि वो असली हैं। आपने फिल्में भी डायरेक्ट की हैं। एक महिला डायरेक्टर के तौर पर कैसी चुनौतियों का सामना किया? डायरेक्शन की बात करूं तो, मुझे कभी किसी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। शायद इसलिए क्योंकि मैं पहले से एक जानी–पहचानी एक्ट्रेस थी, लेकिन मेरी फिल्म का विषय थोड़ा असहज था। शायद इसी वजह से कुछ लोग उससे पूरी तरह जुड़ नहीं पाए। फिर भी, मैंने वही फिल्म बनाई जो मैं बनाना चाहती थी।

## सुभाष घई की फिल्म में दिखेगा रितेश देशमुख का नया अवतार

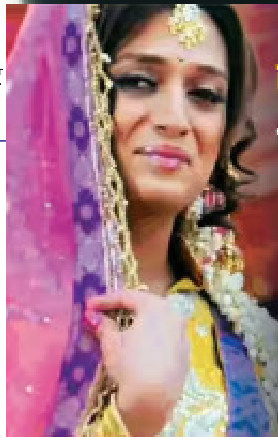

पॉपुलर फिल्मकार सुभाष घई की नई फिल्म में सुपरस्टार रितेश देशमुख नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में उन्हें बिल्कुल नए अवतार में देखा जाएगा. बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर सुभाष घई ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है. इस अनाउंसमेंट के बाद दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिला. फिल्ममेकर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रितेश देशमुख को एक तस्वीर शेयर की. इस फोटो में एक्टर माथे में घूंघट, बिंदी लगाए और आंखों में काजल लगाए नजर आए. सुभाष घई ने कैप्शन में लिखा कि मुक्ता आर्ट्स के बैनर तले बनने वाली फिल्म में रितेश देशमुख बतौर हीरोइन नजर आएंगे. फिल्ममेकर के इस पोस्ट के बाद दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला. वहीं कई नेटीजंस ने कहा कि एक्टर का ये लुक 2006 में आई फिल्म अपना सपना मनी मनी का है. ये तस्वीर उसी फिल्म की है।

भव्य प्रभात

## राष्ट्रीय एकता में दर्शन का सदुपयोग

दर्शन बुद्धि विलास नहीं है। मानव जीवन को आनंदित करने के लिए दर्शन का सदुपयोग होता रहा है। राष्ट्रीय एकता के लिए भी दर्शन की उपयोगिता है। वेदांत दर्शन का सदुपयोग शंकराचार्य व विवेकानंद ने किया था। वेदांत का मूल ग्रंथ ब्रह्मसूत्र है। ब्रह्मसूत्र असाधारण रचना है। इसमें वेदो से लेकर उपनिषद् काल तक विकसित सभी विचारों पर टिप्पणियां हैं। रचनाकार ने सूत्रों में बड़ी–बड़ी बातें की हैं। ब्रह्म सूत्र में पूरी बात के लिए भी अतिअल्प शब्द विन्यास हुआ है। पहला सूत्र है–अथातो ब्रह्म जिज्ञासा। अब ब्रह्म की जिज्ञासा है। दूसरे सूत्र में दो शब्द ही हैं, "जन्माद्यस्य यतः। अनुवाद है–यहां जिससे जन्म आदि होते हैं।" अनुवाद से अर्थ पूरा नहीं निकलता इसलिए अनुभूति की सहायता से कहते हैं–वही ब्रह्म है। अब अर्थ पूरा हुआ "जिससे जन्म आदि होते है वह ब्रह्म है। 'जन्म आदि' का अर्थ भी बड़ा है – जन्म, युवा, बुढ़ापा, मृत्यु, सृष्टि, स्थिति, विकास और प्रलय। तीसरा सूत्र मात्र एक शब्द का ही है, "शास्त्रयोनित्वात्–शास्त्र में वही कारण है। पूरा अर्थ है वह ब्रह्म ही वेदों शास्त्रों में जगत् का कारण कहा गया है। ब्रह्मसूत्रों में सृष्टि जगत का रहस्य है, उपनिषदों में वर्णित तमाम सूत्रों की व्याख्या है। ब्रह्मसूत्र चार अध्यायों व 16 छोटे–छोटे खण्डों में विभाजित है। 16 खण्डों को पाद–चरण कहा गया है। सूत्रों में वेद उपनिषद् में आए तमाम शब्दों, प्रत्ययों, विचारों का विवेचन है। उपनिषदों में प्राण शब्द आया है। यहां प्राण को ब्रह्म कहा गया है। (1.1.28–31) छान्दोग्य उपनिषद् में सम्पूर्णता के लिए 'भूमा' शब्द आया है। यहां भूमा को ब्रह्म बताया गया है। (1.3.8–9) विवेकानन्द ने भी 'भूमा' को ब्रह्म कहा है "ब्रह्म नाना रूपों में परिवर्तित जैसा प्रति भासित होता है। इस प्रकार अद्वैतियों के लिए जीवात्मा का स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। उनके अनुसार माया ही जीवात्मा के अस्तित्व का कारण है। पारमार्थिक दृष्टि से उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है। इस प्रकार सत्ता यदि केवल एक है, तो यह कैसे संभव हो सकता है कि मैं पृथक सत्ता हूं और तुम एक पृथक् सत्ता हो? यथार्थ में हम लोग सभी एक हैं। हमारी द्वैत दृष्टि ही सभी अनिष्ट का कारण है। जभी मैं यह समझता हूं कि मैं संसार से पृथक् हूं, तभी पहले भय उत्पन होता है और तब दुख का अनुभव होता है। जहां व्यक्ति दूसरे से सुनता है, दूसरे को देखता है, वह अल्प है। जहां व्यक्ति दूसरे को देखता नहीं, दूसरे को सुनता नहीं, वह भूमा है, वह ब्रह्म है। भूमा में परम सुख है, अल्प में नहीं?" सत्य तत्व इन्द्रियों की क्षमता से परे है। सत्य तत्व की व्याख्या वैसे भी कठिन है। श्वेताश्वतर (3.20), कठोपनिषद (2.20) और तैत्तिरीय आरण्यक में एक साथ एक प्यारा सा मंत्रध्श्लोक आया है "अणोरणीयान महतो महीयान–अणु से लघुतम अणु और महान से महत्तर (वह है)"। श्वेताश्वतर (6.19) में इसी बात को और विस्तार देते है "वह निरवयव है, निश्चल है, शांत, निर्दोष और निर्लिप्त है।" ब्रह्मसूत्र में 561 सूत्र हैं। सभी सूत्र ब्राह्मणों उपनिषदों का विश्लेषण है। ब्रह्म की स्थापना है। यहां सांख्य दर्शन के कारणवाद का खण्डन है। (अध्याय 2.2.1–10) इसी तरह कणाद के परमाणुवाद से उठे भौतिकवादी प्रश्नों का भी परम ब्रह्म में निरूपण है। (वही:11–17) बौद्ध और जैनमतों का भी जबर्दस्त खण्डन किया गया है (ब्रह्मसूत्ररू गीता प्रेस पृष्ठ 148–177) आगे सारी बाते गीता प्रेस से प्रकाशित ब्रह्मसूत्र की पृष्ठ संख्या के उद्धरणों से लिखी गयी हैं। मधु विद्या अमूल्य है। जैमिनि ने पूर्व मीमांसा में इसे देवताओं के योग्य नहीं बताया क्योंकि देवताओं को यह विद्या सहज प्राप्य है। वे ज्योतिर्मय लोकों में रहते हैं। (पृष्ठ 77 श्लोक 1.3.31–32) अगले श्लोक में लिखा है कि 'वादरायण को यह मतमान्य नहीं है। वेद और उपनिषद 'आनंद' को बार–बार दुहराते है। ब्रह्मसूत्र भी 'आनन्दमयो अभ्यसात्' (1.1.12) लिखता है। यहां आनंदमय शब्द में मयट प्रत्यय संसार बोधक है, मय का तात्पर्य 'व्याप्त' होता है, जैसे दुखमय, सुखमय आदि। ब्रह्मसूत्र आनन्दमय को भी ब्रह्मय बताते हैं। लेकिन तैत्तिरीय उपनिषद में आनंदमय का वर्णन करते हुए उसे सीधे 'रसो वै सः' – वह रस है" बताते हैं। ब्रह्मसूत्र में उपनिषदों का आनंद भी ब्रह्म है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद का विवेचन है। आनंदमय ब्रह्ममयता है। (1.1.12–19) मुण्डकोपनिषद् में एक मंत्र में कहते हैं "जो अदृश्य है, इन्द्रिय बोध से परे है, वर्णहीन, गोत्रहीन, आंख, कान, पैर से रहित है नित्य, व्यापक, परिपूर्ण और अविनाशी है। धीरपुरूष उसे देखते हैं, वह समस्त भूतों का कारण है। इसी संदर्भ को लेकर ब्रह्मसूत्र में बताया गया है कि वैदिक अनुभूति में जो अदृश्यता आदि गुणों वाला है। वह ब्रह्म है। (1.2.21) ब्रह्मसूत्र मूर्ति पूजा–प्रतीक पूजा की विधि बताता है। आगे कहते हैं 'आसीन सम्भवात्'–बैठकर ही ऐसा सम्भव है। (4.1.7) फिर कहते हैं "ध्यानाच्च–ध्यान" (4.1.8) और 'अचलत्वे चापेक्ष्य–शरीर की अचलता की अपेक्षा।" (4.1.9) ब्रह्मसूत्रों पर तमाम भाष्य लिखे गये। शंकराचार्य का भाष्य अद्वैत सिद्धांत कहलाया। उन्होंने इसी आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत् को मिथ्या बताया। सबसे दिलचस्प है विद्या का प्रकरण। तीसरे अध्याय के चौथे पाद के प्रथम सूत्र में कहते हैं, "पुरूषार्थ की सिद्धि इसी से (ज्ञान) होती है। शब्द (वेद) यही बताते हैं।" अगले सूत्र में कहते हैं कि पूर्व मीमांसा के द्रष्टा आचार्य जैमिनि यह बात नहीं मानते। उनका मत है कि "ज्ञान को पुरूषार्थ बताना अर्थवाद है। पुरूषार्थ का साधन तो कर्म हैं। श्रेष्ठजनों के आचरण से यही सिद्ध होता है। छान्दोग्य उपनिषद् में भी कर्म को ही पुरूषार्थ का साधन कहा गया है। कर्म कर्तव्य है।" (वही 2–7) 6 सूत्रों में जैमिनी के तर्क बताकर फिर वादरायण का मत है "श्रुति में कर्म की अपेक्षा विद्या की महत्ता है।" बड़ी मजेदार लेकिन उचित धारणा है कि विद्या कर्म का भाग नहीं है। अध्ययन कर्म भाग है–अध्ययन मात्रवतः।" (वही 3.4.12) बताते हैं कि "विद्या से कर्मो का (कर्मफल) पूरा नाश हो जाता है।" (3.4.16) वैदिक दर्शन में 'अक्षर' शब्द बहुत आया है। वृहदारण्यक उपनिषद् (3.8.7) में 'अक्षर' की विवेचना है। गार्गी ने याज्ञवल्क्य से पूछा "जो द्युलोक से ऊपर है, पृथ्वी से भी नीचे है। इन दोनो के बीच में भी है।

# रहस्य भी कम नहीं नागा साधुओं की दुनिया में

**सुमन बाजपेयी**

एक रहस्य, एक कौतूहल, एक अचंभाकृन जाने कितने प्रश्न उठ खड़े होते हैं जब बात नागा साधुओं की आती है। देश में जब–जब कुंभ और अर्द्ध कुंभ मेला लगता है, तब–तब नागा साधुओं के दर्शन होते हैं। सदियों से नागा साधुओं को आस्था के साथ–साथ हैरत और रहस्य की दृष्टि से देखा जाता रहा है। लंबी जटाओं और कपड़ों के नाम पर पूरे शरीर पर भस्म लगाए निर्वस्त्र रहने वाले इन नागा साधुओं का बाहरी दुनिया से कोई लेना–देना नहीं होता। इनकी जिंदगी कठिनाइयों से भरी होती है जिसके बारे में आम इंसान कल्पना भी नहीं कर सकता। किसी गुफा में ध्यान लगाए बहुत कठोर व अनुशासित जीवन जीने वाले नागा साधु सुख–दुःख से परे होते हैं। नागा साधुओं का हमारे देश में, हमारी संस्कृति में, हमारी परंपराओं में क्या योगदान है, इससे लोग अनभिज्ञ हैं और उनके विचित्र रूप को देख वे उनके बारे में धारणाएं बनाते हैं। लेकिन नागा साधु परम सत्य हैं, उनसे बड़ा सत्य ब्रह्मांड में कोई नहीं। इस बार 144 साल बाद हुए महाकुंभ में जितनी चर्चा इस मेले की हुई, उतनी ही जिज्ञासा लोगों में नागा साधुओं के प्रति देखने को मिली, जो हजारों की संख्या में वहां मौजूद थे। महाकुंभ, अर्धकुंभ या फिर सिंहस्थ कुंभ में ही नागा साधुओं का हुजूम जुड़ता है और कुंभ खत्म होते ही रातों–रात वे गायब हो जाते हैं। सब सोचते हैं कि न जाने ये कहां चले जाते हैं। ये कहां से आते हैं, किसी को नहीं पता३ बस एक भीड़ का सैलाब उमड़ता है और लहरों के शांत होते ही वे न जाने कहां अदृश्य हो जाते हैं। कुंभ के समाप्त होने के बाद अधिकतर साधु अपने शरीर पर भभूत लपेट कर हिमालय की चोटियों के बीच चले जाते हैं। वहां ये अपने गुरु स्थान पर अगले कुंभ तक कठोर तप करते हैं जिस दौरान ये फल–फूल खाकर ही जीवित रहते हैं। सालों तक कठोर तप के कारण उनके बाल कई मीटर लंबे हो जाते हैं। ये तप तभी संपन्न होता है, जब ये कुंभ मेले के दौरान गंगा में डुबकी लगाते हैं।नागा साधु कभी भी दिन में नहीं चलते, क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार और समझ नहीं पाता है। फिर भी नागा साधुओं को देख कर सभी के मन में उनके बारे में जिज्ञासा का जन्म अवश्य होता है। शृंगार किये हुए नागा साधु जब महाकुंभ के समय लाखों की संख्या में नजर आते हैं तो इनके बारे में जानने का ख्याल सभी के मन में आता है। कुंभ के दौरान ये साधु अचानक रहस्यवाद का प्रतीक बन जाते हैं। परंपरागत रूप से नागा साधु का जीवन ध्यान, तपस्या और त्याग से युक्त है, और केवल कुंभ के दौरान ही वे सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं। नाचते–गाते, उछलते–कूदते, डमरू–डफली बजाते, त्रिशूल, चिमटा उठाए नागा साधुओं का जीवन आज इंसान के लिए एक अनसुलझा रहस्य है। वे सत्य हैं, आत्मा रूप हैं और आत्मा के ऊपर वस्त्र नहीं होता है। उनका शरीर ही वस्त्र है, क्योंकि वे आत्मा हैं। इसलिए वे वस्त्र नहीं पहनते हैं। लोग नागा साधुओं को समझ नहीं पाते, वे अपने शरीर पर धूल–मिट्टी लपेटते हैं, रुद्राक्ष धारण करते हैं। वे जो भस्म लगाते हैं वह मुर्दे की होती है और अगर वह न मिले तो हवन की भभूत लगाते हैं। माना जाता है कि जो नागा बनता है वह इस संसार से मुक्त हो जाता है। संसार में रहते हुए भी वह संसार का हिस्सा नहीं होता। नागा को शिव का अवतार माना गया है। विडंबना तो यह है कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में ,नागा साधुओं ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए जो किया, उसका जिक्र कहीं देखने को नहीं मिलता। दिलचस्प यह कि हमारे इतिहासकारों ने उन्हें बेशक महत्व न दिया हो, पर मेगस्थनीज, जो यूनान का राजदूत था और चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था, ने नागा साधुओं का वर्णन करते हुए उस दौरान लिखा था, 'भारत में ब्राह्मणों या नागा साधुओं का एक दार्शनिक संप्रदाय है, जो स्वतंत्र जीवन व्यतीत करता है तथा मांस और पके भोजन से परहेज करता है और केवल फलाहार करके रहता है। पूरा जीवन भी नग्न रहकर बिताता है तथा कहता है कि ईश्वर ने शरीर आत्मा को ढकने के लिए दिया है। उनका मानना है कि ईश्वर प्रकाश है, लेकिन सूर्य अथवा अग्नि की तरह नहीं जिसे हम आंखों से देखते हैं, किंतु ईश्वर से उनका तात्पर्य तर्कपूर्ण प्रवचन से है जिसके द्वारा बुद्धिमान लोग जीवन के गूढ़ रहस्य को पहचानते हैं। वे देवता का नाम आदर के साथ उच्चारित करते हैं तथा मंत्रों के साथ उसकी पूजा करते हैं। ये नग्न रहकर जीवन व्यतीत करते हैं। जाड़ों में खुले आकाश के नीचे धूप में किंतु ग्रीष्म ऋतु में जब सूर्य बहुत तपने लगता है, वे आर्द्र स्थानों में पेड़ों के नीचे रहते हैं।' अधिकतम लोग नहीं जानते कि नागा साधु हिंदू धर्म की रक्षा करने वाली ऐसी पवित्र पैदल सेना है जो इसके लिए कोई धन नहीं लेती। चाहे इस्लामिक आक्रांताओं की बात हो या फिर अंग्रेज साम्राज्यवादियों की, नागा साधु अपने 'हिंदू धर्म' की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहे हैं। धर्म की रक्षा करना ये अपना सौभाग्य समझते हैं, पर समाज ने उनके बलिदान को कभी न याद रखा, न ही कृतज्ञ है। नागा साधुओं की परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है। इस परंपरा के चिह्न हमें मोहनजोदड़ो के सिक्कों और तस्वीरों में मिलते हैं जहां नागा साधु पशुपति नाथ के रूप में भगवान शिव की पूजा करते हुए मिलते हैं। कहा जाता है सिकंदर और उसके सिपाही जब भारत आए थे तब उनकी मुलाकात नागा साधुओं से हुई थी। यही नहीं, नागा साधुओं की तपस्या और मातृभूमि के प्रति समर्पण से भगवान बुद्ध और भगवान महावीर भी काफी प्रभावित थे। भारतीय सनातन धर्म के वर्तमान स्वरूप की नींव आदिगुरू शंकराचार्य ने रखी थी। शंकर का जन्म आठवीं शताब्दी के मध्य में हुआ था जब भारतीय जनमानस की दशा–दिशा बहुत बेहतर नहीं थी। भारत की धन संपदा से खिंचे आक्रमणकारी यहां आ रहे थे। कुछ उसके खजाने को अपने साथ वापस ले गए तो कुछ भारत की दिव्य आभा से मोहित होकर यहीं बस गए।

सामान्य शांति–व्यवस्था बाधित थी। ईश्वर, धर्म, धर्मशास्त्रों को तर्क, शस्त्र और शास्त्र सभी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में शंकराचार्य ने सनातन धर्म की स्थापना के लिए कई कदम उठाए जिनमें से एक था देश के चार कोनों पर चार पीठों का निर्माण करना। आदिगुरू ने मठों–मंदिरों की संपत्ति को लूटने वालों और श्रद्धालुओं को सताने वालों का मुकाबला करने के लिए सनातन धर्म के विभिन्न संप्रदायों की सशस्त्र शाखाओं के रूप में अखाड़ों की स्थापना की शुरुआत की।आदिगुरु शंकराचार्य को लगने लगा था सामाजिक उथल–पुथल के उस युग में केवल आध्यात्मिक शक्ति से ही इन चुनौतियों का मुकाबला करना काफी नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि युवा साधु व्यायाम करके अपने शरीर को सुदृढ़ बनाएं और हथियार चलाने में भी कुशलता हासिल करें। ऐसे मठ बने जहां इस तरह के व्यायाम या शस्त्र संचालन का अभ्यास कराया जाता था, जिन्हें कालांतर में अखाड़ा कहा जाने लगा। शंकराचार्य ने अखाड़ों को सुझाव दिया कि मठ, मंदिरों और श्रद्धालुओं की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर शक्ति का प्रयोग करें। बाह्य आक्रमणों के उस दौर में इन अखाड़ों ने एक सुरक्षा कवच का काम किया। कई बार स्थानीय राजा–महाराजा विदेशी आक्रमण की स्थिति में नागा योद्धा साधुओं का सहयोग लिया करते थे। इतिहास में ऐसे कई गौरवपूर्ण युद्धों का वर्णन मिलता है जिनमें चालीस हजार से ज्यादा नागा योद्धाओं ने हिस्सा लिया। भारत की आजादी के बाद इन अखाड़ों ने अपना सैन्य चरित्र त्याग दिया। आदिगुरु शंकराचार्य की वे हुंकार हैं, रणभेरी हैं जो सदियों से बजती आ रही है। लेकिन शिव के जिन भक्तों को दुनिया नागा साधु कहती है, वे सिर्फ युद्ध नाद ही नहीं करते। वे हथियार चलाने में माहिर होते हैं, और महाकुंभ जैसे अवसर पर हथियार चलाकर अपना कौशल भी दिखाते हैं। नागा साधुओं को हर हथियार चलाने में महारत हासिल होती है। शास्त्र के साथ शस्त्र विद्या के हर हुनर में वे माहिर होते हैं। गुस्सा आ जाए तो खैर नहीं, नहीं तो शांत रहते हुए भी अद्भुत योद्धा का अहसास देते रहते हैं नागा साधु। संतों को हथियार से क्या काम, लेकिन नागा साधुओं का सौंदर्य भी बगैर हथियार के पूरा नहीं होता। हथियारों में उनके ईष्ट देव बसते हैं। अखाड़े उनकी पहचान हैं। इतिहास बदला, व्यवस्था बदली, अखाड़ों के तेवर भी बदले, लेकिन नागा साधुओं का हथियार प्रेम नहीं बदला। साधारण लोगों को नागा साधुओं की दुनिया बहुत आकर्षित करती है। लेकिन उनके बलिदान से कोई परिचित नहीं है। अब्दाली के मथुरा–गोकुल आक्रमण के समय वही थे जिन्होंने उसकी सेना को खदेड़ दिया था। साधुओं और अफगानों के मध्य भयंकर संग्राम हुआ था। जब अहमद शाह अब्दाली गोकुल पहुंचा तो वहां उसका सामना नागा साधुओं से हुआ, जो हाथ में चिमटा लिए क्रूर अफगानी सेना के सामने खड़े थे। अब्दाली ने उनका उपहास किया और हल्के में लिया। नागा साधु त्रिशूल और चिमटे के साथ अफगानी सेना को धूल चटाने का संकल्प लेकर उस पर टूट पड़े। तोपों–तलवारों पर चिमटे–त्रिशूल इतने भारी पड़े कि अफगानी सेना तितर–बितर हो गई और युद्ध स्थल से कोसों पीछे हट गई। मथुरा में खून की नदियां बहीं और सारा नगर लाशों से पट गया। संन्यासियों तथा वैरागियों के सिर धड़ से अलग कर दिए गए थे। कहा जाता है कि उस युद्ध के समय नागा साधुओं के एक हाथ में तलवार थी और दूसरे हाथ में शास्त्र।

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

इर्रेगुलर पीरियड्स, बहुत कम या अधिक ब्लीडिंग होना और पीरियड्स के समय असहनीय दर्द जैसी स्थितियां हो सकती हैं। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं झूझ रही हैं। जिनको नजरअंदाज करना सेहत के लिए खतरा बन सकता है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से महिलाओं में इर्रेगुलर पीरियड्स की समस्या देखने को मिल रही है। साल 2023 के सर्वे के मुताबिक भारत की 18–35 साल की 3 लाख से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की मेंस्ट्रुअल हेल्थ से जुड़ी वास्तविक स्थिति का पता लगाना था। इस सर्वे से मालूम चला कि करीब 70: महिलाएं पीरियड्स में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इर्रेगुलर पीरियड्स, बहुत कम या अधिक ब्लीडिंग होना और पीरियड्स के समय असहनीय दर्द जैसी स्थितियां हो सकती हैं। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं झूझ रही हैं। जिनको नजरअंदाज करना सेहत के लिए खतरा बन सकता है। हालांकि आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव करके इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

इर्रेगुलर पीरियड्स क्या है

इर्रेगुलर पीरियड्स होने पर पीरियड्स समय पर नहीं आते हैं या फिर हर महीने अलग–अलग समय पर आते हैं। सामान्य तौर पर पीरियड्स हर 21 से 35 दिनों के बीच आते हैं। वहीं 3–7 दिनों तक चलते हैं। लेकिन जब यह साइकिल अनियमित हो जाती है, तो कभी 15 तो कभी 40 दिनों में या फिर कई बार महीने–महीने तक पीरियड्स नहीं आते हैं। इसको इर्रेगुलर पीरियड्स कहा जाता है। जब लगातार यह समस्या बनी रहती है, तो सेहत संबंधी समस्या का संकेत हो सकता है। इसलिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

इर्रेगुलर पीरियड्स की वजह

इर्रेगुलर पीरियड्स महिलाओं की मेंटल, फिजिकल और हॉर्मोनल कंडीशन से जुड़ा होता है। वहीं अनहेल्दी लाइफस्टाइल भी इसकी एक मुख्य वजह है। आजकल महिलाओं और लड़कियों में इर्रेगुलर पीरियड्स की सबसे आम वजह च्छे है। इसमें अंडाशय में सिस्ट बन जाते हैं, जिसके कारण ओव्युलेशन रुक जाता है। जिस वजह से पीरियड्स समय पर नहीं आते हैं या फिर रुक जाते हैं। शरीर का वेट कम या ज्यादा होना भी ओव्युलेशन को प्रभावित करता है।

एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ जाने पर पीरियड्स इर्रेगुलर हो जाते हैं। इसके पीछे थायरॉइड या अन्य एंडोक्राइन हो सकता है। लंबे समय तक स्ट्रेस में होने से शरीर का हॉर्मोनल बैलेंस बिगड़ सकता है। वहीं एथलीट्स या जिम में ज्यादा वर्कआउट करने वाली महिलाओं को भी पीरियड्स देर से आ सकते हैं या फिर रुक सकते हैं।

इर्रेगुलर पीरियड्स से होने वाली समस्याएं

अगर पीरियड्स रेगुलर नहीं हैं, तो ओव्युलेशन भी इर्रेगुलर होता है। जिसकी वजह से कंसीव करने में समस्या होती है।

इर्रेगुलर पीरियड्स हॉर्मोनल इम्बैलेंस की ओर भी इशारा करते हैं। आगे चलकर थायरॉइड, च्छे या फिर इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इर्रेगुलर पीरियड्स के साथ कुछ महिलाओं में हैवी ब्लीडिंग होती है। जिसके कारण एनीमिया, कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इर्रेगुलर पीरियड्स से चिड़चिड़ापन, एंग्जाइटी और तनाव महसूस हो सकती है। जब वह कंसीव की योजना बना रही होती हैं।

इसकी वजह से फेस पर मुंहासे, शरीर पर अनचाहे बाल और बालों का झड़ना जैसे समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। अगर अक्सर पीरियड्स अनियमित होते हैं, तो इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए। इससे शरीर के अंदर कुछ गड़बड़ी का संकेत हो सकता है।

लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें

इर्रेगुलर पीरियड्स को कंट्रोल करने और मेंस्ट्रुअल साइकिल को रेगुलर बनाने के लिए लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करना जरूरी होता है। ऐसे में छोटे–छोटे बदलाव पीरियड्स को रेगुलर करेंगे, बल्कि आपकी पूरी सेहत भी अच्छी रहती है।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

अनानास

पपीता

अदरक

दालचीनी

अजवाइन

सौंफ

हल्दी

इन चीजों से करें परहेज

ज्यादा तेल मसाले वाली चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड्स नहीं खाना चाहिए।

प्रोसेस्ड और जंक फूड

शुगरी ड्रिंक्स

अधिक मात्रा में नमक का सेवन करना

शराब और कैफीन का सेवन नहीं करना चाहिए।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

कोलेजन को युवाओं का प्रोटीन भी कहा जाता है। हमारे शरीर के कुल प्रोटीन का करीब 30: हिस्सा कोलेजन के काम आता है। यह एक बेहद जरूर प्रोटीन है और यह हमारी स्किन, हड्डियों, ब्लड वेसल्स और जोड़ों को भी मजबूत बनाने का काम करता है।

आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि वह 40 की उम्र में भी 20 साल के दिखते हैं। उनकी स्किन ग्लो करती है और कोई झुर्रियां नहीं हैं और पूरी तरह से फिट लगते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग कम उम्र में ही उम्रदराज दिखने लगते हैं। इसका राज कोलेजन है। आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ बॉडी में कोलेजन का लेवल घटता है तो झुर्रियां बढ़ती लगती हैं, स्किन ढीली पड़ने लगती है। हालांकि झुर्रियां बुढ़ापे की निशानी नहीं है। लेकिन कोलेजन की कमी होने पर जवान लोग भी बूढ़े दिखने लगते हैं।

यही वजह है कि कोलेजन को युवाओं का प्रोटीन भी कहा जाता है। हमारे शरीर के कुल प्रोटीन का करीब 30: हिस्सा कोलेजन के काम आता है। यह एक बेहद जरूर प्रोटीन है और यह हमारी स्किन, हड्डियों, ब्लड वेसल्स और जोड़ों को भी मजबूत बनाने का काम करता है और इनकी स्ट्रक्चरिंग का भी काम करता है। वहीं शरीर में कोलेजन की कमी से कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।